The Tribune (06.03.2016)

FARIDABAD

Talk on 'Make in India'

Governor Kaptan Singh Solanki said laid emphasis on introducing the concept of 'Make in India' in the field of education. He said all educational institutes, scientists and technocrats should contribute towards intellectual investment. He was speaking at a conference on the "Role of science and technology in Make in India" at YMCA University of Science and Technology on Saturday. TNS

The Tribune (Haryana Edition) Sun, 6 tribur

Dainik Jagran (06.03.2016)

थिंक फॉर इंडिया सोच को दिया बढ़ावा

राज्यपाल ने मोबाइल एप 'डिजिटल वाईएमसीएयूएसटी' का किया शुभारंभ

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में 'मेक इन इंडिया में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत शनिवार से हो गई। राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

उन्होंने सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन और विद्यार्थियों के बनाए मोबाइल एप 'डिजिटल वाईएमसीएयूएसटी' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 'मेक इन इंडिया' की अवधारणा को शिक्षा के क्षेत्र में लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान, तकनीकीविद्, वैज्ञानिक तथा शोधकर्ता देश के लिए बौद्धिक निवेश में अपना योगदान दें। उन्होंने 'प्रतिभा पलायन' की समस्या पर चिंता जताते हुए 'थिंक फॉर इंडिया' की सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया के बिना डिजिटल इंडिया की कल्पना नहीं की जा सकती। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यक्रमों से अवगत करवाया। एसआरएम विश्वविद्यालय व कांचीपुरम (तमिलनाडु) के अनुसंधान निदेशक तथा भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के महाध्यक्ष (इलेक्ट्रोनिक) प्रो. डी नारायण राव ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी किसी भी देश के आर्थिक विकास की प्रेरक शक्ति होते है। उन्होंने हरित क्रांति से लेकर मंगलयान तक भारतीय विज्ञान की सफलता के उदाहरण दिए।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे जीई ऑयल एवं गैस के सीईओ प्रमोद कौशिक ने डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया तथा जीई ऑयल एवं गैस द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया। सेमिनार के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय सेमिनार के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में लगभग 250 पेपर्स प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार सक्सेना, उपायुक्त चंद्रशेखर, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. आदित्य दहिया व अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. केके गुप्ता मौजूद थे।

वाईएमसीए यूनिर्विसटी में 'मेक इन इंडिया में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी। जागरण

Amar Ujala (06.03.2016)

अपनानी होगी मेक इन इंडिया की अवधारणा : राज्यपाल

अमर उजाला ब्यूरो

बल्लभगढ़। राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने शनिवार को वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की 'मेक इन इंडिया में भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' अवधारणा को लाना जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान, तकनीकीविद, वैज्ञानिकों तथा शोधकर्ताओं को देश के लिए बौद्धिक निवेश में अपना योगदान देना चाहिए।

इस मौके पर उन्होंने सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई डिजिटल वाईएमसीए यूएसटी एप्लीकेशन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया के साथ 'थिंक फार इंडिया' पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में कौशल विकास तथा व्यवहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने को जरूरी बताया। उद्घाटन सत्र को वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार व एसआरएम विश्वविद्यालय, कांचीपुरम (तमिलनाडु) के अनुसंधान निदेशक तथा भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के अध्यक्ष (इलेक्ट्रॉनिक) प्रोफेसर डी नारायण राव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर प्रोफेसर अशोक कुमार सक्सेना, जिला उपायुक्त चंद्रशेखर, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. आदित्य दहिया, डॉ. केके गुप्ता के अलावा डीन, चेयरपर्सन तथा संकाय सदस्यों के साथ काफी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

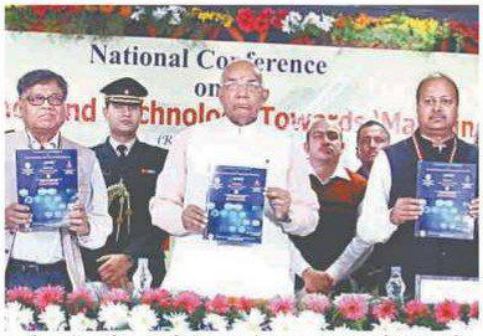

कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल कप्तान सिंह सोंलकी।

राज्यपाल ने किया वाईएमसीए विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

बोले, मेक इन इंडिया तर्ज पर थिंक फॉर इंडिया की सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता

Punjab Kesari (06.03.2016)

फरीदाबाद-पलवल केसरी

Regional Supplement of Punjab Kesari, Delhi 7 मार्च , 2016, सोमवार

शिक्षण संस्थान देश के लिए बौद्धिक निवेश में अपना योगदान दें : सोलंकी

बल्लभगढ़, (सुरेश बंसल): हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने 'मेक इन इंडिया' की अवधारणा को शिक्षा के क्षेत्र में लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान, तकनीकीविद्, वैज्ञानिक तथा शोधकर्ता देश के लिए बौद्धिक निवेश में अपना योगदान दें। राज्यपाल प्रो. सोलंकी आज वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया तथा विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई 'डिजिटल वाईएमसीएयूएसटी' एप्लीकेशन का शुभारंभ किया। 'प्रतिभा पलायन' की समस्या पर चिंता जताते हुए राज्यपाल ने 'थिंक फॉर इंडिया' की सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज जब हम 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' जैसे अहम विषय पर चर्चा कर रहे है तो हमें 'थिंक फॉर इंडिया' पर भी चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में कौशल विकास तथा व्यवहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को ऐसी कौशल आधारित व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करें कि प्रतिस्पर्धा के युग में विद्यार्थी खुद को स्पर्धा में बनाये रखें और बोझ न बनें। उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया के बिना डिजिटल इंडिया की कल्पना नहीं की जा सकती और कौशल आधारित शिक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को अपनाकर ही हासिल की जा सकती है। प्रो. सोलंकी ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवीनतम अनुसंधान 'मेक इन इंडिया' अभियान को सफलता में अहम भूमिका निभा सकते है, जिसके लिए इंजीनियर्स, तकनीकी विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों को महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। 21वीं सदी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सदी बताते हुए उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया आज के भारत की आवश्यकता है। राज्यपाल ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे डिजिटल साक्षरता अभियान की सराहना की। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यक्रमों से अवगत करवाया। उन्होंने हरित क्रांति से लेकर मंगलयान तक भारतीय विज्ञान की सफलता के उदाहरण प्रस्तुत किये। उन्होंने विद्यार्थियों से देश में पोषण सुरक्षा के लिए योगदान देने का आह्वान किया कार्यक्रम के अंत में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह स्मारिका का विमोचन करते हुए। (छाया: बंसल)

Hindustan Hindi (06.03.2016)

वाईएमसीए में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका विषय पर बोले राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी

मेक इन इंडिया देश की तरक्की का मूलमंत्र

सम्मेलन

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि मेक इन इंडिया देश की तरक्की का मूलमंत्र है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इनइंडिया में बड़ी भूमिका होगी। इसके लिए शिक्षण संस्थान, तकनीकीविद्, वैज्ञानिक और शोधकर्ताओं को देश के लिए बौद्धिक निवेश में अपना योगदान करना चाहिए।

राज्यपाल शनिवार को वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका विषय पर आयोजित किए गए तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रों के कौशल विकास और विज्ञान के बल पर ही भारत विश्व गुरु बनेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी किसी भी देश के आर्थिक विकास की प्रेरक शक्ति है। उन्होंने प्रतिभा पलायन की समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि शोध संस्थानों को थिंक फॉर इंडिया की सोच को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की जा रही है तो थिंक फॉर इंडिया पर भी चर्चा की जानी चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों में कौशल विकास व व्यवहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान छात्रों को ऐसी कौशल आधारित व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करें जिससे आज के प्रतिस्पर्द्धा के युग में छात्र स्वयं को प्रतिस्पर्द्धा में बनाए रखें।

उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया के बिना डिजिटल इंडिया की कल्पना नहीं की जा सकती। कौशल विकास भी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को अपनाकर ही संभव है। ऐसे में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवीनतम अनुसंधान मेक इन इंडिया अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। 21वीं सदी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सदी बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्किल इंडिया, स्टर्ट-अप, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया आज की आवश्यकता है।

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में शनिवार को मेक इन इंडिया की भूमिका पर आधारित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने संबोधित किया, इस मौके पर दूसरे अतिथि भी मौजूद रहे। ● हिन्दुस्तान

7 रुपये प्रति किमी के खर्च में बना दिया मंगलयान

तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित एसआरएम विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के अध्यक्ष (इलेक्ट्रॉनिक) प्रोफेसर डॉ. नारायण राव ने कहा कि देश में प्रतिभा है। मात्र सात रुपये प्रति किलोमीटर के खर्च में देश के वैज्ञानिकों ने सफल मंगलयान बनाकर अपनी प्रतिभा का लोहा विश्व में मनवा दिया है, जबकि देश में एक ऑटो वाला भी 10 रुपये प्रति किलोमीटर का किराया लेता है। जीई ऑयल एवं गैस के सीईओ प्रमोद कौशिक ने डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल ने कहा

- कौशल विकास के बल पर ही आर्थिक महाशक्ति बनेगा भारत
- वैज्ञानिक और शोधकर्ता देश के लिए बौद्धिक निवेश में करें योगदान

नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे

एमएससी (केमिस्ट्री), एमएससी (एनवायरमेंट साइंस) और एमएससी (मीडिया एंड कम्यूनिकेशन) के नए पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इनके अलावा, विदेशी भाषा फ्रेंच एवं जर्मन के डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने यह जानकारी दी।

मोबाइल पर सभी जानकारी

केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के छात्रों ने 'डिजिटल वाईएमसीएयूएसटी' नाम से एक एप तैयार किया है। राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने इस एप को शनिवार को लांच किया। इस पर छात्र और उनके अभिभावक यूनिवर्सिटी की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस एप को कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के बीटेक (आईटी) के छात्रों की सात सदस्यीय टीम ने तैयार किया है। छात्रों का मार्गदर्शन डॉ सपना गंभीर और डॉ पारुल तोमर ने किया। एप को तैयार करने वाले छात्र अक्ष केश्वर, हिमानिश मुंजाल, नमन आर्य, रजत सेठी, शिव कोकरू, शुभम भारद्वाज व युग अरोड़ा हैं।

Hindustan Hindi (06.03.2016)

फरीदाबाद वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में मोबाइल के लिए एप बनाने वाले होनहार छात्रों ने शनिवार को शिक्षिकाओं के साथ ग्रुप फोटो खिंचाई। ● हिन्दुस्तान

Navbharat Times (06.03.2016)

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले राज्यपाल

'थिंक फॉर इंडिया पर भी हो चर्चा'

■ वस, फरीदाबाद

राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने शनिवार को वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान थिंक फॉर इंडिया पर चर्चा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम विज्ञान व प्रद्योगिकी के मेक इन इंडिया जैसे अहम विषय पर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन थिंक फॉर इंडिया की चर्चा को भी इसमें शामिल करने की जरूरत है। शैक्षणिक संस्थानों में कौशल विकास और व्यवहारिक शिक्षा को प्रत्साहित करना आज की जरूरत है। मेक इन इंडिया की अवधारणा को शिक्षा के क्षेत्र में लाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों को बौद्धिक निवेश में योगदान के लिए आगे आने की बात कही।

इस मौके पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन किया और स्टूडेंट्स की ओर से बनाए गए डिजिटल वाईएमसीएयूएसटी एप्लीकेशन का शुभारंभ भी किया। उन्होंने स्वतंत्रता को परिभाषित करते हुए कहा कि हमें पूर्ण राजनीतिक स्वतंत्रता हासिल है, लेकिन आर्थिक स्वतंत्रता के बगैर पूर्ण स्वतंत्रता संभव नहीं है। पूर्ण स्वतंत्रता तभी हासिल होगी, जब आखिरी व्यक्ति तक भौतिक सुविधाएं पहुंच सकेंगी। यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र रहे जीई ऑयल व गैस के सीईओ प्रमोद कौशिक ने डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया और अपनी कंपनी में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने बताया कि 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में लगभग 250 पेपर्स प्रस्तुत किए जाएंगे। इस मौके पर भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार सक्सेना, डीसी चंद्रशेखर, एडीसी डॉ. आदित्य दहिया, यूनिवर्सिटी के सभी डीन, चेयरपर्सन, संकाय सदस्यों के साथ ही काफी संख्या में प्रतिभागी और स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने यूनिवर्सिटी की स्मारिका का भी विमोचन किया

Dainik Jagran (06.03.2016)

किसी को घर फूंकने की आजादी नहीं : सोलंकी

हरेंद्र नागर, फरीदाबाद

प्रदेश में जाट आंदोलन के कारण मचे उपद्रव को लेकर पहली बार राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने पहली बार सार्वजनिक रूप से विचार रखे हैं। उन्होंने बिना किसी जाति को संबोधित किए श्रोताओं से सवाल किया कि हमने आजादी किसलिए ली थी? किसी के घर या दुकान फूंकने को आजादी नहीं कहा जाएगा, उपद्रव मचाने को आजादी नहीं कहा जाएगा।

उन्होंने शनिवार को वाईएमसीए यूनिवर्सिटी फरीदाबाद में मेक इन इंडिया को लेकर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में विचार रखे। उनके इस बयान पर सेमिनार हॉल में खूब तालियां बजीं। उनका यह बयान न केवल अधिकारियों, बल्कि विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के बीच भी चर्चा का विषय बना रहा। जाट आंदोलन के दौरान आगजनी व हिंसा के कारण प्रदेश को हुए नुकसान को लेकर राज्यपाल की इस नसीहत को बेहद अहम माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि आने वाले बजट सत्र में यह बातें राज्यपाल के अभिभाषण में प्रमुख अंश होंगी। उन्होंने चंद शब्दों में स्पष्ट कर दिया कि उपद्रवियों के खिलाफ सख्ती से निपटेगी। उन्होंने आजादी पर आगे बोलते हुए कहा कि आजादी चार तरह की होती है राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक। अभी हम केवल राजनीतिक आजादी ही प्राप्त कर सके हैं। भाषण की शुरुआत में उन्होंने अपने चुटीले अंदाज से माहौल को हल्का बना दिया। उन्होंने कहा कि इस यूनिवर्सिटी का कैंपस और सेमिनार हॉल छोटा है मगर काम बड़ा है, दिल उससे भी बड़ा है। उनकी इस बात पर भी सेमिनार हॉल में खूब तालियां बजीं।

कप्तान सिंह सोलंकी

- राज्यपाल के भाषण में उभरी जाट आंदोलन की टीस
- वाईएमसीए में मेक इन इंडिया मुद्दे पर सेमिनार का उद्घाटन